राज्य की अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही

अच्छी खबर

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

राज्य की आर्थिक और कारोबारी गतिविधियां तेजी से पटरी पर लौट रही हैं। अगस्त में प्रदेश सरकार के खजाने में पहुंचे कर व करेत्तर राजस्व इसके गवाह हैं। पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले वैट के माध्यम से राज्य सरकार के खजाने में तय लक्ष्य से अधिक 109 फीसदी धनराशि जमा हुई।

प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर राज्य के कर व करेत्तर राजस्व की प्राप्तियों का ब्योरा मीडिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में राज्य की आर्थिक गतिविधियां और बेहतर होने

सुरेश खन्ना, वित्त मंत्री

की उम्मीद है। वित्त मंत्री ने बताया कि अगस्त 2021 में 12089.42 करोड़ रुपये कर व करेत्तर राजस्व के रूप में सरकार को मिले। यह धनराशि अगस्त 2020 के मुकाबले 2544.21 करोड़ रुपये अधिक है। अगस्त के लिए कर व करेत्तर राजस्व के निर्धारित लक्ष्य का 87.3 फीसदी राजस्व प्राप्त करने में सफलता हासिल हुई है। जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टांप तथा निबंधन, परिवहन जैसे राज्य कर में अगस्त 2020 के मुकाबले अच्छी वृद्धि हुई है।

अगस्त 2021 में राजस्व की स्थिति

करों से आर्थिक व कारोबारी गतिविधियों का संबंध

जीएसटी : यह उत्पाद व सेवा पर लगता है। इससे मालूम चलता है कि राज्य में कारोबारी क्षेत्र की स्थिति क्या है।

वैट : यह पेट्रोल-डीजल पर लिया जाने वाला राज्य कर है। इसके बढ़ने का तात्पर्य है कि सड़कों पर कामर्शियल और निजी वाहनों की आवाजाही में इजाफा हुआ है।

स्टांप व निबंधन : इस कर में वृद्धि होने का तात्पर्य यह है कि राज्य में संपत्तियों की खरीद फरोख्त में इजाफा हुआ है।